RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 309
दि. 13.03.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

एलपीजी को लेकर घबराहट, कोविड संकट की तरह हम इससे निपटेंगे', पीएम मोदी ने क्या-क्या कहा?

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने LPG संकट को लेकर पहली बार खुलकर बात की। NXT समिट में संबोधन देते हुए गुरुवार (12 मार्च 2026) को ढट मोदी ने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर घबराहट फैला रहे हैं और अपना राजनीतिक एजेंडा चला रहे हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा करके ये लोग न सिर्फ जनता के सामने अपनी असलियत उजागर कर रहे हैं, बल्कि पूरे देश को भारी नुकसान भी पहुंचा रहे हैं। आइए जानते हैं पीएम मोदी ने क्या-क्या कहा?

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहाः- 'आजकल LPG को लेकर काफी चर्चा हो रही है। कुछ लोग घबराहट पैदा करने और अपना एजेंडा चलाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं इस समय उन पर राजनीतिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। लेकिन मैं यह जरूर कहूंगा कि ऐसा करके वे जनता के सामने अपनी असलियत उजागर कर रहे हैं और पूरे देश को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं।'

'युद्ध के कारण पैदा हुए इस वैश्विक संकट के असर से कोई भी देश अछूता नहीं है। कम या ज्यादा, हर कोई इस संकट से प्रभावित है। भारत भी इस संकट से निपटने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहा है।'

'हम अलग-अलग स्तरों पर प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में, मैंने दुनिया के कई देशों के शीर्ष नेताओं के साथ इस पर चर्चा की है। सप्लाई चेन

में आने वाली रुकावटों को दूर करने के लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।'

ऊर्जा सुरक्षा पर मोदी का दोहरा फोकस

PM मोदी ने इस मौके पर भारत की ऊर्जा नीति को भी विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि देश के तेज विकास के लिए ऊर्जा के अलग-अलग स्रोतों को बढ़ावा देना जरूरी है। इसके लिए दो स्तरों पर काम किया जा रहा हैः-

1. इंफ्रास्ट्रक्चर विकास - देश में ऊर्जा की पहुंच बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया।

2. आत्मनिर्भरता - विदेशी स्रोतों पर पूरी तरह निर्भर न रहने के लिए ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया गया।

संकट का असली कारण और भारत की तैयारी

ईरान वॉर के बीच भारत में कितना बचा है तेल और गैस? हरदीप सिंह पुरी ने बताया पूरा सच

एलपीजी को लेकर पूरे देश में हायतौबा मची हुई है, विपक्ष भी इसे लेकर उग्र है तो वहीं संसद में इस बारे में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को बड़ा बयान दिया है।

हरदीप सिंह ने कहा कि 'भारत 40 देशों से क्रूड ऑयल ले रहा है। गैस-सिलेंडर पर पैनिक होने की कोई बात नहीं है, हमारे पास पर्याप्त कच्चा तेल है, डीजल-पेट्रोल और गैस सिलेंडर की कोई किल्लत नहीं है, एलएनजी कार्गो रोजाना आ रहे हैं, दूसरे मार्गों से भी सप्लाई आ रही है।'

'भारत अपनी जरुरत का 60% छढक्ष कतर, यूएई, सऊदी अरब और कुवैत जैसी खाड़ी देशों से आयात करता था, 40% का घरेलू उत्पादन होता था। आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आयात का दायरा अमेरिका, रूस, नॉर्वे, कनाडा और अल्जीरिया तक बढ़ाया गया है।'

'रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं'

पुरी ने कहा कि 'सरकार ने सभी रिफाइनरियों को अपनी उ3 (प्रोपेन/प्रोपिलीन) और उ4

(ब्यूटेन/ब्यूटीन) हाइड्रोकार्बन धाराओं (२३१ी२) के संपूर्ण आउटपुट को एलपीजी छढक्ष उत्पादन की ओर मोड़ने का निर्देश दिया है, रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं।

कई मामलों में, वे 100% से भी अधिक क्षमता पर चल रही हैं। पेट्रोल, डीजल, केरोसिन, एटीएफ या ईंधन तेल की कोई कमी नहीं है। पेट्रोल, डीजल, विमानन ईंधन, टरबाइन ईंधन, केरोसिन और ईंधन तेल की उपलब्धता पूरी तरह से सुनिश्चित है।

'भारत की क्रूड सप्लाई की स्थिति सुरक्षित'

पुरी ने कहा कि 'मॉडर्न एनर्जी हिस्ट्री में दुनिया ने ऐसा समय पहले कभी नहीं देखा, भारत की क्रूड सप्लाई की स्थिति सुरक्षित है और जो वॉल्यूम मिला है, वह होर्मुज से मिलने वाले क्रूड से ज्यादा है। संकट से पहले, भारत का लगभग 45% क्रूड इंपोर्ट होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते से होता था। प्रधानमंत्री की शानदार डिप्लोमैटिक पहुंच और गुडविल की वजह से, भारत ने उतना क्रूड वॉल्यूम हासिल किया है जितना उसी समय में होर्मुज स्ट्रेट से मिल सकता था।'

छढक्ष सप्लाई को लेकर चल रही चिंताओं के बीच, जिससे देश भर के कई रेस्टोरेंट प्रभावित हुए हैं, पुरी ने कहा, 'भारत का कच्चा तेल और घरेलू छढक्ष सप्लाई पूरी तरह सुरक्षित है, पिछले पांच दिनों में, रिफाइनरी के निर्देशों के जरिए छढक्ष का प्रोडक्शन 28% बढ़ा दिया गया है, और आगे की खरीद अभी चल रही है।'

चालाक चीन ने ईरान के साथ मिलकर तेल को लेकर किया बड़ा खेला, क्या है ये सीक्रेट डील?

(जीएनएस)।

अमेरिका-ईरान संघर्ष और मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे दुनिया कच्चे तेल के लिए त्राहिमान मचा हुआ है। वहीं इस संकट की घड़ी में भी चीन इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का बखूबी फायदा उठा रहा है। खबर है कि युद्ध से जूझ रहा ईरान अभी भी चीन को बड़ी मात्रा में कच्चा तेल भेज रहा है।

28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल-ईरान के बीच संघर्ष छिड़ने के बावजूद, ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होते हुए लाखों बैरल कच्चा तेल चीन को भेजा है। इस घटनाक्रम ने महत्वपूर्ण ऊर्जा कॉरिडोर से होने वाले समुद्री यातायात को बाधित कर दिया है। यह शिपमेंट तब हुआ जब क्षेत्र में सुरक्षा चिंताएं अपने चरम पर थीं।

11.7 मिलियन बैरल ईरानी कच्चा तेल चीन भेजा गया

टैंकरट्रैकर्स के को-फाउंडर समीर मदनी ने मंगलवार को उठइउ को बताया कि संघर्ष शुरू होने के बाद से कम से कम 11.7 मिलियन बैरल ईरानी कच्चा तेल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरा है, और यह सारा चीन के लिए था। टैंकरट्रैकर्स उपग्रह इमेजरी का उपयोग करके टैंकरों की गतिविधियों पर नजर रखता है, जिससे उन्हें उन जहाजों का भी पता चलता है जिनके ऑनबोर्ड ट्रैकिंग सिस्टम बंद होते हैं।

दुनिया के लिए बंद किया और चीन को ईरान करता रहा तेल सप्लाई

यह आपूर्ति स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के संवेदनशील मार्ग से हो रही है, जिसे अमेरिका के हमलों के बाद ईरान ने दुनिया के लिए बंद कर दिया था। इस बंदी ने भारत समेत कई देशों में तेल व गैस की आपूर्ति प्रभावित की। यह जलमार्ग वैश्विक तेल का 20-25% और एलएनजी का 20% से अधिक व्यापार वहन करता है।

चीन और ईरान के बीच क्या हुई है सीक्रेट डील?

ऐसे में सवाल उठा रहा है कि तो क्या ईरान और चीन के बीच तेल को लेकर कोई गोपनीय समझौता है? टैंकर ट्रैकर के सह-संस्थापक समीर मदानी ने बताया कि 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद से ईरान कम से कम 1.17 करोड़ बैरल कच्चा तेल इसी जलमार्ग से चीन को भेज चुका है।

टैंकर ट्रैकर कंपनी सैटेलाइट तस्वीरों से उन जहाजों की आवाजाही ट्रैक करती है जो अपना ट्रैकिंग सिस्टम बंद कर देते हैं। तेहरान की चेतावनी के बाद 'डार्क' हुए कई जहाज इसी रास्ते से गुजरे हैं, क्योंकि ईरान ने इस जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर हमले की चेतावनी दी थी।

1.2 करोड़ बैरल कच्चा तेल इसी मार्ग से गुजरा

शिपिंग डेटा प्रदाता केप्लर का भी अनुमान है कि युद्ध शुरू होने से अब तक करीब 1.2 करोड़ बैरल कच्चा तेल इसी मार्ग से गुजरा है। केप्लर के मुताबिक, चीन ईरानी तेल का सबसे बड़ा खरीदार रहा है, इसलिए इस तेल का अधिकांश हिस्सा संभवतः चीन पहुँचा होगा। हालांकि, जहाजों के अंतिम गंतव्य की पुष्टि करना अब मुश्किल हो गई है।

प्रदेश में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की पर्याप्त उपलब्धता, जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के निर्देश

मध्यप्रदेश में घरेलू एलपीजी सिलेंडर सहित पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और पीएनजी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में इन सभी ईंधनों का वितरण सुचारू रूप से किया जा रहा है और उनकी आपूर्ति लगातार बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि राज्य सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है, ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और ईंधन की उपलब्धता सामान्य रूप से बनी रहे। खाद्य विभाग के आयुक्त कर्मवीर शर्मा ने बताया कि एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए सभी जिलों को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं।

सीएम डॉ. मोहन यादव के प्रयास सफल, कई योजनाओं को मिली मंजूरी

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दिल्ली दौरे के दौरान किसानों और ग्रामीण विकास के लिए केंद्रीय मंजूरी हासिल की। बातचीत में सरसों और तुअर की खरीद, फसल बीमा सुरक्षा, और त्वरित ग्रामीण योजनाओं को शामिल किया गया, जिसका उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और गैस मिलावट को रोकते हुए एलपीजी और सीएनजी की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से राज्य के किसानों और ग्रामीण विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को केंद्र सरकार से मंजूरी मिली है। नई दिल्ली दौरे के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित कई केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर किसानों से जुड़े अहम मुद्दों को उठाया, जिस पर केंद्र सरकार ने सकारात्मक निर्णय लिए। बैठक में राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री प्र'ाद पटेल और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैठक में प्रदेश के किसानों की समस्याओं और कृषि से जुड़े लंबित मुद्दों को विस्तार से रखते हुए उनके शीघ्र समाधान का आग्रह किया।

बैठक के बाद उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की प्रगति संतोषजनक है और राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार काम कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि विश्व में चल रहे खाड़ी युद्ध पर सरकार की नजर है और प्रदेश में गैस की कालाबाजारी पर रोक लगाई गई है। राज्य में एलपीजी और सीएनजी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आग्रह पर केंद्र सरकार ने सरसों की खरीद से जुड़े मुद्दों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिया। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भावांतर भुगतान योजना के तहत मध्यप्रदेश के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए संबंधित विभागों को भुगतान प्रक्रिया तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। इससे राज्य के हजारों सरसों उत्पादक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।

इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को तुअर (अरहर) की शत-प्रतिशत सरकारी खरीद का स्वीकृति पत्र भी सौंपा। इस निर्णय से तुअर उत्पादक किसानों की पूरी उपज का सरकारी उपार्जन सुनिश्चित होगा और बाजार में कीमत गिरने का जोखिम कम होगा।

दलहन और तिलहन उत्पादन बढ़ाने की रणनीति

बैठक में प्रदेश को दलहन और तिलहन उत्पादन का प्रमुख केंद्र बनाने पर भी चर्चा हुई। केंद्र और राज्य की संयुक्त टीम द्वारा मूंग, उड़द, चना, तिल, सरसों और ऑयल पाम जैसी फसलों के लिए दीर्घकालिक रणनीति तैयार करने पर सहमति बनी।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में किसानों के हितों की बेहतर सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया। इस पर केंद्रीय मंत्री ने निर्देश दिए कि सोयाबीन जैसी फसलों के नुकसान के आकलन में केवल सैटेलाइट डेटा के बजाय क्रॉप कटिंग और रिमोट सेंसिंग दोनों तरीकों का उपयोग किया जाए, ताकि किसानों को वास्तविक नुकसान के आधार पर मुआवजा मिल सके।

ग्रामीण विकास योजनाओं को मिलेगी गति

बैठक में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को तेज गति देने के लिए केंद्र से आवश्यक सहयोग का आग्रह किया, जिस पर सकारात्मक आश्वासन मिला।

एलपीजी और पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है', सीएम रेखा बोलीं- अफवाहों से दूर रहें

नई दिल्ली (जीएनएस)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच देशभर में एलपीजी और ईंधन की सप्लाई को लेकर तरह-तरह की बातें सामने आ रही हैं। खासतौर पर राजधानी दिल्ली में गैस सिलेंडर और पेट्रोल-डीजल की कमी की चर्चा ने लोगों को चिंतित कर दिया था। इसी बीच दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने साफ शब्दों में कहा है कि राजधानी में किसी भी तरह की ईंधन की कमी नहीं है और लोगों को घबराने या ज्यादा स्टॉक जमा करने की जरूरत नहीं है।

11 मार्च को हुई एक अहम समीक्षा बैठक के बाद दिल्ली सरकार ने बयान जारी कर कहा कि दिल्ली में LPG, पेट्रोल, डीजल और PNG की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है। सरकार ने लोगों से अपील की है कि गैस सप्लाई को लेकर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न दें और बिना वजह घबराकर सिलेंडर या ईंधन जमा करने से बचें।

उच्च स्तरीय बैठक में हालात की समीक्षा

राजधानी में ईंधन की उपलब्धता को लेकर दिल्ली सरकार ने एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। इस बैठक में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, दिल्ली पुलिस, राजस्व विभाग, गैस कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (IGL) और कई ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में अधिकारियों ने सरकार को भरोसा दिलाया कि दिल्ली में घरेलू ढठक्ष की कोई कमी नहीं है। इसके अलावा उद्योगों के लिए गैस सप्लाई की प्राथमिकताओं में बदलाव करने के बाद करीब 80 प्रतिशत तक गैस की सप्लाई दोबारा सुचारु कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि मौजूदा हालात में भी राजधानी की गैस सप्लाई चेन पूरी तरह सामान्य तरीके से काम कर रही है।

बैठक में मौजूद तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों ने बताया कि दिल्ली में पेट्रोल, डीजल और घरेलू LPG सिलेंडर का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। सप्लाई चेन पहले की तरह सुचारु रूप से चल रही है और फिलहाल किसी तरह की कमी का कोई खतरा नहीं है।

हालांकि सरकार ने एहतियात के तौर पर LPG सिलेंडर बुकिंग के बीच का अंतर 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया है। इसके बावजूद उपभोक्ताओं को सिलेंडर की डिलीवरी औसतन दो से तीन दिन के भीतर मिल रही है। यानी आम लोगों के लिए गैस की उपलब्धता पहले की तरह सामान्य बनी हुई है।

बैठक के दौरान यह भी बताया गया कि व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की सप्लाई के लिए कुछ दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इन दिशा-निर्देशों के तहत शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को प्राथमिकता दी जा रही है ताकि जरूरी सेवाएं प्रभावित न हों।

इसके साथ ही सरकार ने गैस चोरी और कालाबाजारी की संभावनाओं को देखते हुए कड़े निर्देश भी जारी किए हैं। दिल्ली पुलिस और राजस्व विभाग को इस मामले में विशेष सतर्क रहने के लिए कहा गया है।

इस पूरे मुद्दे पर केंद्र सरकार ने भी बड़ा कदम उठाया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मुताबिक आपूर्ति में संभावित बाधाओं से निपटने के लिए देश में घरेलू छढक्ष उत्पादन में 25 से 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।

नीतीश कुमार की विरासत संभालने को तैयार निशांत, नालंदा में पहली बार खुलकर बोले सीएम के बेटे

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में इन दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार (ढ३रँ ङ४ं१) के बेटे निशांत कुमार (ढरँल्ल३ ङ४ं१) को लेकर चर्चा तेज हो गई है। नालंदा में लोगों से मिलते समय निशांत कुमार ने पहली बार खुलकर जनता का आभार जताया।

निशांत ने कहा कि उन्हें बिहार के लोगों से लगातार समर्थन और आशीर्वाद मिल रहा है। उनके इस बयान के बाद यह भी माना जा रहा है कि वह धीरे-धीरे सार्वजनिक जीवन में सक्रिय भूमिका निभाने की तैयारी कर रहे हैं।

नालंदा में बातचीत के दौरान निशांत कुमार ने कहा कि वह बिहार के लोगों से मिल रहे प्यार और आशीर्वाद के लिए आभारी हैं। उन्होंने कहा कि लोगों का विश्वास उनके लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। निशांत ने कहा कि जनता का साथ मिलने से उन्हें आगे काम करने की प्रेरणा मिलती है और वह हमेशा लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे।

निशांत कुमार ने अपने पिता नीतीश कुमार का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले करीब 20 साल में बिहार में जो काम हुआ है, उसे आगे बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने राज्य के विकास के लिए कई कदम उठाए और अगर उन्हें मौका मिला तो वह उसी दिशा में आगे काम करने की कोशिश करेंगे।

निशांत कुमार के इस बयान के बाद नालंदा समेत बिहार के कई हिस्सों में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। लोग इसे भविष्य की राजनीति से जोड़कर देख रहे हैं। हालांकि उन्होंने अभी किसी औपचारिक राजनीतिक भूमिका की घोषणा नहीं की है, लेकिन उनके बयान से यह साफ संकेत मिल रहा है कि वह जनता से जुड़कर अपने पिता के काम को आगे बढ़ाने की इच्छा रखते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या में, राष्ट्रपति दौरे की तैयारियों का जायजा

लखनऊ, (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या दौरे पर हैं। जहां पर उन्होंने 19 मार्च को होने वाले राष्ट्रपति के कार्यक्रम को लेकर तैयारियों का जायजा लिया

और रामलला के दर्शन किए।

गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले संकटमोचन हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन-पूजन किया और प्रदेश की सुख-शांति की कामना की। इसके बाद सीएम योगी ने श्रीराम मंदिर में श्रीरामलला के चरणों में शीश झुकाया।

सम्पादकीय

सदन नियमों से चलता है

विपक्ष द्वारा लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए संकल्प के अस्वीवृत होने के एक दिन बाद ओम बिरला ने सदन के पीठ पर विराजमान हुए और उन्होंने सदस्यों का इस बात के लिए आभार व्यक्त किया कि उन्होंने उनके प्राति अपना विश्वास व्यक्त किया किन्तु जिन विपक्षी सदस्यों ने उनके खिलाफ तर्व देते हुए आरोप लगाया था कि वह विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने का अवसर नहीं देते, बिरला ने उन्हें भी दो टूक जवाब देते हुए कहा कि इस सदन में बोलने से लोकतंत्र का संकल्प मजबूत होता है और सरकार की जवाबदेही भी तय होती है किन्तु साथ ही उन्होंने विपक्ष को जवाब देते हुए कहा कि चाहे सदन के नेता हों, चाहे नेता प्रातिपक्ष हों, मंत्रिगण या अन्य कोई सदस्य हो, सभी को सदन के नियमों के तहत निर्धारित प्राविया का पालन करते हुए ही बोलने का अधिकार मिलता है।

लोकसभा के अध्यक्ष ने अपने खिलाफ संकल्प लाने वाले सदस्यों का यह भ्रम दूर करते हुए स्पष्ट किया कि नेता विपक्ष सदन में कभी भी उठकर किसी भी विषय पर बोल सकते हैं, यह उनका विशेषाधिकार है, तो यह बिल्वुल सही नहीं है। सदन नियमों से चलता है और सदन के कार्यो का संचालन नियम सदन द्वारा ही बनाए गए हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने जो भी बातें सदन में कही, वह बिल्वुल सही है। सरकार कोई भी हो संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही निर्धारित नियमों के अनुसार ही होती रही है। यह सच है कि लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ विपक्ष पहली बार यह जानते हुए भी कि वह संख्या बल के आधार पर ओम बिरला को पद से हटा नहीं पाएगा, फिर भी अविश्वास प्रास्ताव ले आया किन्तु जब वोटिग का समय आया तो मैदान छोड़कर बाहर निकल लिए। इसका मतलब है कि विपक्ष के पास वह नैतिक बल है ही नहीं जो विपक्ष के पास होता है। विपक्ष को इस बात से डरने की जरूरत क्या थी कि यदि वोटिग हुई तो विपक्ष के सदस्यों का वोट एकजुट नहीं होगा, यह विपक्ष की निर्बल नैतिकता का प्रातीक है। यह लोकसभा अध्यक्ष का ही विशेषाधिकार है कि वह उदारता दिखाते हुए सदस्यों को बोलने की सुविधा दे सकता है किन्तु सच पूछें तो सदन की कार्यवाही रूल बुल के अनुसार ही चल सकती है। अविश्वास प्रास्ताव के पहले नेता प्रातिपक्ष सदन में खड़े होकर ऐसे विषयों पर कई बार बोल चुके हैं। जिसके बारे में उन्होंने कभी भी नोटिस नहीं दिया था। फिर भी यदि उन्हें अवसर मिला तो यह लोकसभा अध्यक्ष के विशेषाधिकार के कारण ही संभव हुआ। अविश्वास प्रास्ताव के गिरने के एक दिन बाद ही नेता प्रातिपक्ष बृहस्पतिवार को फिर किसी ऐसे विषय पर बोलना चाहते थे जिस पर उन्होंने नोटिस नहीं दिया था, लेकिन बदले परिवेश एवं सदन में तनातनी के बीच लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने आईना दिखाते हुए राहुल गांधी को अनुमति देने से इसलिए इंकार कर दिया क्योंकि उन्होंने उक्त विषय पर बोलने का नोटिस नहीं दिया था।

बहरहाल संसद के दोनों सदनों की पीठें सर्वाधिक सम्मानीय हैं किन्तु उनका सम्मान तभी कायम रह सकता है जब पक्ष-विपक्ष दोनों उसका आदर करें। आज लोकसभा अध्यक्ष को मात्र इसलिए राजनीति में घसीटा जा रहा है क्योंकि सत्तापक्ष और विपक्ष संसदीय मर्यादा की किसी एक परिभाषा को मानते ही नहीं। पहले सरकारों और विपक्षी पार्टियों के बीच संवाद सूत्र होते थे जो अवरोधों को दूर करने के लिए एक-दूसरे के संपर्व में होते थे। सदन की पीठ भी दोनों सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच सहयोगत्मक प्राविया के अनुरूप आचरण करती थी। आज जब सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संवाद के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं तो पीठासीन अधिकारी यानि लोकसभा अध्यक्ष पर ही विपक्ष द्वारा गुस्सा निकालना स्वाभाविक है। यदि विपक्ष को सरकार से नाराजगी है तो वह सदन में नोटिस देकर सरकार के खिलाफ मामला उठाए अथवा अविश्वास प्रास्ताव लाए किन्तु संसदीय मर्यादाओं के प्राति सम्मान बनाए रखने के लिए अपनी खुंदक लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ न निकाली जाए तो देश के लोकतंत्र के प्राति राजनीतिक पार्टियों का बहुत बड़ा एहसान होगा क्योंकि जब लोकसभा अध्यक्ष बिना किसी दबाव के नियमानुसार दोनों पक्षों को बोलने के अवसर देंगे तभी तो लोकतंत्र का संकल्प मजबूत होगा।

राष्ट्रपति ने कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की भूमिका पर वैश्विक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में शिरकत की

कृषि क्षेत्र में महिलाओं को नीति निर्माण, निर्णय प्रकिया और नेतृत्व के पदों में अधिक भूमिका मिलनी चाहिए: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

(जीएनएस)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (12 मार्च, 2026) नई दिल्ली में कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की भूमिका पर वैश्विक सम्मेलन (जीसीडब्ल्यूएएस-2026) के उद्घाटन सत्र में शिरकत की और सत्र को संबोधित किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि बुवाई, कटाई, प्रसंस्करण और फसलों को बाजार तक पहुंचाने सहित कृषि संबंधी सभी गतिविधियों में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वे मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, पशुपालन, वन उत्पादों के समुचित इस्तेमाल और कृषि आधारित उद्यमों के संचालन सहित कई क्षेत्रों में अथक परिश्रम करती हैं। कृषि अर्थव्यवस्था में महिलाओं का अमूल्य योगदान है।

राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों में कुल छात्रों में 50 प्रतिशत से अधिक लड़कियां हैं और कई विश्वविद्यालयों में यह संख्या 60 प्रतिशत से अधिक है। ये लड़कियां शैक्षणिक दृष्टि से भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करती हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सरकार, समाज और कृषि क्षेत्र के सभी हितधारकों का यह दायित्व है कि वे इन होनहार लड़कियों को कृषि तथा अनाज उत्पादन के क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान करने के लिए हर संभव सहायता और प्रोत्साहन दें। उन्होंने कहा कि नेतृत्व मातृत्व का अंतर्निहित गुण है। हालांकि, मातृत्व को अक्सर घर की चारदीवारी तक ही सीमित माना जाता है। हमें इस मानसिकता को दूर करना होगा और महिला किसानों को नेतृत्व प्रदान करने के लिए सशक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2026 को 'अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष' घोषित किया है। इस घोषणा में कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखलाओं में महिला-पुरुष आधारित असमानताओं को दूर करने और महिलाओं के लिए नेतृत्व की

भूमिकाओं को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक कार्रवाई का आ'न किया गया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि कृषि, विशेषकर कृषि-खाद्य प्रणालियों में कार्यरत महिलाओं के नेतृत्व को प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के विचार के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में नीति निर्माण, निर्णय लेने और नेतृत्व पदों में महिलाओं की भूमिका अधिक होनी चाहिए। इस क्षेत्र में सभी स्तरों पर महिलाओं की अधिक भागीदारी महिला-पुरुष समानता को बढ़ावा देने वाली कृषि वृद्धि को प्रोत्साहित करेगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि महिला किसानों को भूमि के औपचारिक स्वामित्व, तकनीकी ज्ञान, वित्तीय संसाधन और अन्य सहायता प्रणालियों से संबंधित मामलों में मदद मिलनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि पिछले एक दशक में भारत ने कृषि क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों को बढ़ावा देने वाली पहलों ने कृषि में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राष्ट्रपति ने कहा कि लोग, पृथ्वी, समृद्धि, शांति और साझेदारी को समान महत्व देने पर वैश्विक सहमति है। उन्होंने सभी हितधारकों से आग्रह किया कि जन आयाम पर विचार और कार्य में महिला-पुरुष समानता को विशेष प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कृषि सहित क्रियाकलापों के हर क्षेत्र में महिलाओं और पुरुषों के प्रभावी समावेशन से हम न केवल सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे बल्कि धरती को कहीं अधिक संवेदनशील और सामंजस्यपूर्ण स्थान बनाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस वैश्विक सम्मेलन के प्रतिभागी प्रगति की गति देने और नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने के मार्ग प्रशस्त करेंगे।

जीसीडब्ल्यूएएस-2026 का आयोजन कृषि विज्ञान संवर्धन ट्रस्ट (टीएएएस), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), अंतरराष्ट्रीय कृषि अनुसंधान सलाहकार समूह (सीजीआईएआर) और पादप किस्मों और किसानों के अधिकारों के संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवी एंड एफआरए) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्देश्य महिला-पुरुष भागीदारी को मुख्यधारा में लाने के लिए नीतिगत ढांचों और इकोसिस्टम को मजबूत करने पर विचार-विमर्श करना और टिकाऊ एवं समावेशी कृषि-खाद्य प्रणालियों के निर्माण में महिलाओं की अपरिहार्य भूमिका को उजागर करना है।

प्रधानमंत्री 13-14 मार्च को असम के दौरे पर रहेंगे

प्रधानमंत्री 47,800 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे

प्रधानमंत्री शिलांग-सिलचर कॉरिडोर का भूमि पूजन करेंगे - जो उत्तर-पूर्वी भारत का पहला एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड चार-लेन हाई-स्पीड कॉरिडोर है

प्रधानमंत्री असम माला 3.0 का भूमि पूजन करेंगे - जो सड़क इन्फ्रास्ट्रक्चर संबंधी एक प्रमुख पहल है

प्रधानमंत्री चाय बागान श्रमिकों को भूमि पट्टे वितरित करेंगे, जो चाय बागान समुदाय को गृहस्थी भूमि अधिकार प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है

ऊर्जा इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए, प्रधानमंत्री कोपिली जलविद्युत परियोजना, नुमालीगढ़-सिलीगुड़ी पाइपलाइन क्षमता वृद्धि को समर्पित करेंगे और उत्तर-पूर्व गैस ग्रिड के चरण 1 का उद्घाटन करेंगे

प्रधानमंत्री कामाख्या रेलवे स्टेशन को कामाख्या मंदिर से जोड़ने वाली रोपवे परियोजना की आधारशिला रखेंगे

प्रधानमंत्री देश भर के 9.3 करोड़ से अधिक किसानों को पीएम-किसान योजना की 22वीं किस्त जारी करेंगे

(जीएनएस)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 13-14 मार्च 2026 को असम का दौरा करेंगे। इस दौरे के समय, प्रधानमंत्री कोकराझार, गुवाहाटी और सिलचर में 47,800 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे, आधारशिला रखेंगे, भूमि पूजन करेंगे और हरी झंडी दिखाएंगे।

13 मार्च को दोपहर लगभग 1:30 बजे, प्रधानमंत्री कोकराझार में 4,570 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का भूमि पूजन करेंगे, आधारशिला रखेंगे और शुभारंभ करेंगे। उसी दिन बाद में, शाम लगभग 5 बजे गुवाहाटी में, प्रधानमंत्री लगभग 19,680 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का भूमि पूजन करेंगे और उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

14 मार्च को सुबह लगभग 10:45 बजे, प्रधानमंत्री सिलचर में लगभग 23,550 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का भूमि पूजन करेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

प्रधानमंत्री कोकराझार में

प्रधानमंत्री 3,200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली एक प्रमुख सड़क इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजना, असम माला 3.0 का भूमि पूजन करेंगे। इस योजना के तहत, अंतर-राज्यीय संपर्क को बेहतर बनाने और राष्ट्रीय राजमार्गों तथा ग्रामीण सड़कों के बीच समन्वय को मजबूत करने के लिए असम भर में 900 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण किया जाएगा।

प्रधानमंत्री बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) क्षेत्र में लगभग 1,100 करोड़ रुपये के निवेश से निर्मित छह सड़क इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का भूमि पूजन करेंगे, जिनमें चार फ्लाईओवर और दो पुल शामिल हैं। इन परियोजनाओं से कोकराझार जिले में यातायात जाम कम करने और संपर्क, पर्यटन, कृषि, स्वास्थ्य सेवा और ग्रामीण आवागमन में सुधार लाने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री कोकराझार जिले के बाशबारी में आवधिक मरम्मत (पीओएच) कार्यशाला की आधारशिला रखेंगे। यह कार्यशाला रेलवे रखरखाव इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेगी, परिचालन दक्षता बढ़ाएगी और क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करेगी।

प्रधानमंत्री असम और उत्तर-पूर्वी

क्षेत्र में संपर्क सुधारने के उद्देश्य से शुरू की गई तीन नई रेल सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाएंगे। इनमें कामाख्या-चारलापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस शामिल है, जो उत्तर-पूर्व और दक्षिण भारत के बीच सीधी रेल कनेक्टिविटी प्रदान करेगी; गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस, जो असम और पश्चिम बंगाल के बीच संपर्क को बेहतर बनाएगी; और नारंगी-अगरतला एक्सप्रेस, जो असम और त्रिपुरा के बीच संपर्क को सुधारते हुए यात्रियों, व्यापारियों और पर्यटकों के लिए अंतर-राज्यीय यात्रा को सुगम बनाएगी।

गुवाहाटी में प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री चाय बागान श्रमिकों को भूमि पट्टे वितरित करेंगे, जो चाय बागान समुदाय को गृहस्थी भूमि अधिकार प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। सुरक्षित भूमि स्वामित्व से आवास सुरक्षा में सुधार होने, संस्थागत ऋण और कल्याणकारी योजनाओं तक बेहतर पहुंच संभव होने और दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक मजबूती को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री पीएम-किसान योजना की 22वीं किस्त भी देश भर के 93 करोड़ से अधिक किसानों को जारी करेंगे, जिसके तहत पात्र किसानों को सीधे उनके बैंक खातों में 2,000 रुपये प्राप्त होते हैं।

प्रधानमंत्री दीमा हसाओ और पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिलों में स्थित कोपिली जलविद्युत परियोजना को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। 2,300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित यह परियोजना स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देगी, क्षेत्र में ग्रिड स्थिरता में सुधार करेगी और घरों, किसानों और उद्योगों को विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगी।

प्रधानमंत्री ऑयल इंडिया लिमिटेड की नुमालीगढ़-सिलीगुड़ी उत्पाद पाइपलाइन (एनएसपीएल) की क्षमता संवर्धन परियोजना राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह परियोजना अतिरिक्त पेट्रोलियम उत्पादों की निकासी को सक्षम बनाकर नुमालीगढ़ रिफाइनरी की क्षमता को 3 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष से बढ़ाकर 9 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष करने में सहायक होगी। प्रधानमंत्री उत्तर-पूर्व गैस ग्रिड के पहले चरण का भी उद्घाटन करेंगे, जो गुवाहाटी को नुमालीगढ़, गोहपुर और ईटानगर से जोड़ने वाली एक प्रमुख पाइपलाइन परियोजना है, जिसकी एक शाखा लाइन दीमापुर तक जाती है। प्रधानमंत्री हैलाकांडी जिले के पंचग्राम में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) के रेल-चालित पीओएल टर्मिनल की आधारशिला भी रखेंगे। ये परियोजनाएं उत्तर-पूर्व में ऊर्जा इन्फ्रास्ट्रक्चर को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करेंगी और राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाएंगी।

प्रधानमंत्री द्वारा प्रमुख रेल विद्युतीकरण परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा, जिनमें लगभग 420 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित रंगिया-मुरकोंगसेलेक रेल लाइन (558 किमी) और लगभग 1,180 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित चापरमुख-डिब्रूगढ़ रेल लाइन (571 किमी) के साथ-साथ लगभग 650 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित बदरपुर-सिलचर और बदरपुर-चुराईबारी रेल लाइनें शामिल हैं। इन परियोजनाओं से ब्रह्मपुत्र और बराक घाटी क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार के साथ-साथ ट्रेनों का परिचालन तेज, ऊर्जा-कुशल और पर्यावरण के अनुकूल हो सकेगा।

प्रधानमंत्री फुरकटिंग-तिनसुकिया रेल लाइन दोहरीकरण परियोजना (194 किमी) की आधारशिला भी रखेंगे, जिसकी लागत 3,600 करोड़ रुपये से अधिक है। इससे लाइन की क्षमता बढ़ेगी और अतिरिक्त यात्री और मालगाड़ियों का परिचालन संभव हो सकेगा।

जलमार्ग क्षेत्र में, प्रधानमंत्री बिश्वनाथ जिले के बिश्वनाथ घाट और जोरहाट जिले के नेमाटी में क्रूज टर्मिनलों की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री डिब्रूगढ़ के बोगीबील में क्षेत्रीय उत्कृष्टता केंद्र (आरसीओई) का भूमि पूजन भी करेंगे, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए एक प्रमुख समुद्री प्रशिक्षण और अनुसंधान केंद्र के रूप में कार्य करेगा। प्रधानमंत्री पांडू जेटी को एनएच-27 से जोड़ने वाली एप्रोच रोड का भी उद्घाटन करेंगे।

प्रधानमंत्री कामाख्या रेलवे स्टेशन को कामाख्या मंदिर से जोड़ने वाली रोपवे परियोजना की आधारशिला रखेंगे। सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत उन्नत मोनोकेबल डिटैचेबल गोंडोला तकनीक का उपयोग करते हुए योजनाबद्ध इस रोपवे की क्षमता प्रतिदिन लगभग 17,000 यात्रियों को ले जाने की होगी। यह परियोजना तीर्थयात्रियों के लिए यात्रा में लगने वाले समय को कम करेगी और एक आरामदायक, पर्यावरण के अनुकूल परिवहन विकल्प प्रदान करेगी, साथ ही शहर की सड़कों पर भीड़भाड़ कम करने में भी मदद करेगी।

प्रधानमंत्री गुवाहाटी में पीएम एकता मॉल का भी उद्घाटन करेंगे। इस मॉल को असम और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिए एक प्रमुख वाणिज्यिक और पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गई है। इसमें 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) योजना के तहत निर्मित वस्तुओं, जीआई-टैग प्राप्त उत्पादों, असम और अन्य राज्यों के हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों के स्थायी स्टॉल होंगे। इस सुविधा में प्रमुख भारतीय ब्रांडों के शोरूम, फूड कोर्ट, आधुनिक सुविधाएं, पार्किंग और डिजिटल कियोस्क भी शामिल होंगे, जो स्थानीय कारीगरों को एक मंच प्रदान करेंगे और क्षेत्रीय संस्कृति और उद्योग को बढ़ावा देंगे।

प्रधानमंत्री सिलचर में

प्रधानमंत्री शिलांग-सिलचर कॉरिडोर का भूमि पूजन करेंगे, जो उत्तर-पूर्वी भारत का पहला एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड चार-लेन हाई-स्पीड कॉरिडोर है। लगभग 22,860 करोड़ रुपये के निवेश से निर्मित 166 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर से मेघालय और असम के बीच कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा। इस परियोजना से गुवाहाटी और सिलचर के बीच की दूरी कम होगी और यात्रा का समय 8.5 घंटे से घटकर लगभग 5 घंटे हो जाएगा, जिससे क्षेत्र में आर्थिक विकास और सीमा पार व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री कैपिटल पॉइंट के पास ट्रंक रोड से सिलचर के रंगिरखारी पॉइंट तक एनएच-306 पर बनने वाले एलिवेटेड कॉरिडोर (चरण-1) का भूमि पूजन भी करेंगे। इस परियोजना से सिलचर की सबसे व्यस्त सड़कों में से एक पर ट्रैफिक कम होगा, मिजोरम, त्रिपुरा और मणिपुर जैसे पड़ोसी राज्यों से संपर्क बेहतर होगा और बराक घाटी के आर्थिक विकास में योगदान मिलेगा।

इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री करीमगंज जिले के पथारकंडी में एक नए कृषि महाविद्यालय की आधारशिला रखेंगे। यह संस्थान असम में कृषि शिक्षा और अनुसंधान के इको-सिस्टम को मजबूत करेगा और बराक घाटी और आसपास के क्षेत्रों के छात्रों को उनके घर के पास ही उच्च गुणवत्ता वाली कृषि शिक्षा तक पहुंच प्रदान करेगा।

टीवीएस ऑर्बिटर वी1 लॉन्च; अब BaaS मॉडल के साथ ₹49,999 से उपलब्ध

लखनऊ, 12 मार्च 2026: दो और तीन पहिया वाहनों के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी टीवीएस मोटर कंपनी (टीवीएसएम) ने अपने इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो को मजबूत करते हुए 1.8 kWh बैटरी के साथ टीवीएस ऑर्बिटर वी1 लॉन्च किया है। यह कंपनी की लाइन-अप में सबसे किफायती इलेक्ट्रिक स्कूटर है। इसके साथ ही कंपनी ने अपने पूरे ईवी पोर्टफोलियो में बैटरी-एज-ए-सर्विस (BÔÔS) मॉडल भी पेश किया है, जो ग्राहकों को अधिक लचीला ओनरशिप विकल्प देता है।टीवीएस ऑर्बिटर वी1 और इंर मॉडल के साथ कंपनी की ईवी स्कूटर रेंज अब ₹49,999 (एक्स-शोरूम दिल्ली, पीएम ई-ड्राइव सहित) से शुरू होती है। इंर मॉडल से स्कूटर की शुरूआती कीमत कम हो जाती है और ग्राहकों को बैटरी की दीर्घकालिक सुरक्षा मिलती है। वहीं, जो ग्राहक बिना इंर के ऑर्बिटर वी1 खरीदना चाहते हैं, वे इसे ₹84,500 (एक्स-शोरूम दिल्ली, पीएम ई-ड्राइव सहित) में खरीद सकते हैं।टीवीएस ऑर्बिटर वी1 का डिजाइन आधुनिक और व्यावहारिक है। इसमें 845 मिमी लंबी फ्लैट सीट, 290 मिमी का सीधा फुटबोर्ड, और चौड़ा व ऊंचा हैंडलबार दिया गया है, जो आरामदायक राइडिंग पोजिशन देता है। साथ ही इसमें 34 लीटर अंडर-सीट स्टोरेज है, जिसमें दो हेलमेट तक रखे

टीवीएस मोटर ने अपने ईवी पोर्टफोलियो में इंर शुरू किया है, जिससे कस्टमर बैटरी की पूरी कीमत पहले देने के बजाय बैटरी के इस्तेमाल के लिए सब्सक्राइब कर सकते हैं।यह मॉडल गाड़ी की कीमत को बैटरी की कीमत से अलग करता है, जिससे कस्टमर ईवी की शुरूआती खरीद और उसे चलाने की मौजूदा लागत, दोनों को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं। पूरे पोर्टफोलियो में इंर शुरू करके, टीवीएस मोटर ईवी ओनरशिप में ज्यादा फ्लेक्सिबिलिटी दे रहा है, साथ ही ज्यादा कस्टमर तक इसकी पहुंच बढ़ा रहा है।

फिल्म 'कैलेंडर' का ट्रेलर लॉन्च प्रेस कॉन्फ्रेंस मुंबई में रिलीज से पहले फिल्म 'कैलेंडर' की टीम ने मुंबई में प्रेस मीट आयोजित की

मुंबई, 12 मार्च 2026: आगामी महिला-केंद्रित फिल्म 'कैलेंडर' की टीम ने आज बॉलीवुड नगरी मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जिसमें मीडिया को फिल्म के अनोखे कॉन्सेप्ट और विजन के बारे में जानकारी दी गई। रनिंग हॉर्स क्रिएशन्स के बैनर तले निर्मित इस फिल्म के निमार्ता आदर्श गुंडूराज हैं। कैलेंडर मूल रूप से एक कन्नड़ फिल्म है और अब इसे हिंदी में भी रिलीज किया जा रहा है ताकि यह देशभर के व्यापक दर्शकों तक पहुंच सके। चार्टर्ड अकाउंटेंट से फिल्ममेकर बने आदर्श गुंडूराज, जो इससे पहले दो फिल्मों में हीरो के रूप में काम कर चुके हैं और अब फिल्म कैलेंडर में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जिन्हें 'स्माइलिंग स्टार' के नाम से भी जाना जाता है, उन्होंने इस प्रोजेक्ट के पीछे की प्रेरणा और ऐसी कहानियां बताने के महत्व के बारे में बात की जो संवेदनशीलता और समझ को बढ़ावा देती हैं। कार्यक्रम के दौरान टीम ने बताया कि कैलेंडर महिला जीवन से जुड़े पहलुओं, भावनात्मक उतार-चढ़ाव और इन अनुभवों के रिश्तों तथा रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ने वाले प्रभाव को दशार्ती है। यह फिल्म एक रोचक कहानी के साथ-साथ सार्थक संवाद शुरू करने का प्रयास भी करती है। फिल्म में आदर्श गुंडूराज, रमेश इंदिरा, प्रकाश थुमिनाडु, गुरुनंदन, मालाश्री, सुचेंद्रप्रसाद, चंद्रप्रभा, शिव प्रदीप,

सुष्मिता नायक, निविश्का पाटिल और अमृथा जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन नवीन शक्ति ने किया है। इसका संगीत सुनाद गौतम ने तैयार किया है, जबकि सिनेमैटोग्राफी रमेश कोइरा और एडिटिंग सुरेश अरुमुगम ने की है। फिल्म के एक्शन सीक्वेंस राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और [illegible] तथा कांतारा फेम विक्रम मोर ने डिजाइन किए हैं। फिल्म की कहानी और निर्माण आदर्श गुंडूराज ने किया है, जबकि शिव प्रदीप सह-निमार्ता हैं और महंताश आर सह-निर्देशक हैं। कैलेंडर 3 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म का वितरण वीके फिल्म्स (विजय किरागंदूर फिल्म्स) द्वारा किया जा रहा है। फिल्म की टीम ने मीडिया के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि दर्शक इस फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने का अनुभव पसंद करेंगे।

एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस ने लंबे समय तक निवेश करने वाले निवेशकों के लिए 'लार्ज कैप क्वालिटी फंड' की शुरूआत की

12 मार्च, 2025: भारत में निजी क्षेत्र की जानी-मानी लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों में से एक, लाइफ इंश्योरेंस ने लार्ज कैप क्वालिटी फंड की शुरूआत की है। यह एक ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड है, जिसे उन लोगों को ध्यान में रखकर पेश किया गया है जो देश की बड़ी और भरोसेमंद कंपनियों में पैसा लगाकर अच्छी पूंजी जमा करना चाहते हैं। यह फंड 10 रुपये प्रति यूनिट के न्यू फंड ऑफर (NFO) की पर उपलब्ध होगा, जिससे ग्राहकों को लॉन्च अवधि के दौरान आधार 'नेट एसेट वैल्यू' (NAV) पर निवेश शुरू करने का अवसर मिलेगा।

इस फंड का उद्देश्य ग्राहकों को उन बड़ी और आर्थिक रूप से मजबूत कंपनियों के समूह में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिन्होंने समय के साथ लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। यह फंड उन कंपनियों में पैसा लगाता है जिनकी नींव मजबूत है और जिनमें आर्थिक काम-काज बहुत व्यवस्थित है। इससे ग्राहकों को अपने भविष्य के लक्ष्यों को पूरा करने के साथ-साथ अच्छी पूंजी बनाने का मौका मिलने वालाहै।

ग्राहक इस फंड के जरिए अलग-अलग क्षेत्रों की बड़ी कंपनियों के अलग-अलग तरह के समूह में आसानी से निवेश कर सकते हैं। इससे किसी एक कंपनी या इंडस्ट्री पर निर्भर रहने का जोखिम कम हो जाता है और निवेशकों को लंबे समय में भारत की आर्थिक तरक्की का फायदा मिलता है। यह फंड निवेश के लिए बहुत सरल तरीका अपनाता है, जिसमें यह इरए लार्ज कैप 100 क्वालिटी 30 इंडेक्स को ट्रैक करता है। इसमें केवल वे कंपनियां चुनी जाती हैं जो इक्विटी पर शानदार रिटर्न, साफ-सुथरे बैलेंस शीट और मजबूत आर्थिक स्थिति के मामले में हर कसौटी पर खरी उतरती हैं। यह फंड केवल उन कंपनियों को चुनता है जो स्थिर और भरोसेमंद हैं, क्योंकि इसका उद्देश्य लंबे समय में आपके पोर्टफोलियो को और उसे ज्यादा मजबूत बनाना है। निवेश का ज्यादातर हिस्सा इन कंपनियों के शेयरों में लगाया जाएगा, जबकि कुछ हिस्सा कैश या कम समय वाली योजनाओंमें रखा जाएगा ताकि जरूरत पड़ने पर पैसा निकाला जा सके।

लॉन्च के बारे में अपनी राय जाहिर करते हुए, श्री जूड गोम्स, एमडी एवं सीईओ, ने कहा, 'भारत में लंबे समय तक प्रगति की बहुत संभावनाएँ हैं, और आज के निवेशक इस विकास का हिस्सा बनने के लिए सुरक्षित और अनुशासित तरीके तलाश रहे हैं। एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस में, हम ग्राहकों को निवेश के सरल और पारदर्शी विकल्पों के जरिए वित्तीय सुरक्षा देने के अपने इरादे पर अटल हैं, ताकि वे लंबे समय के अपने सपनों को पूरा कर सकें।'

यह लार्ज कैप क्वालिटी फंड अच्छी कंपनियों को चुनने, निवेश में विविधता लाने और इंडेक्स पर अनुशासित तरीके से नजर रखने पर विशेष ध्यान देता है। इस तरह यह फंड ग्राहकों को अपने लंबे समय के आर्थिक लक्ष्यों को पाने के लिए आगे बढ़ते हुए भारत के कुछ बुनियादी तौर पर मजबूत व्यवसायों में निवेश करने का बेहद आसान तरीका उपलब्ध कराता है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ विषय पर संगोष्ठी

मातृशक्ति व मेधावी छात्र सम्मान के साथ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

सरोजिनीनगर (लखनऊ)। प्राथमिक विद्यालय अलीनगर खुर्द, बिजनौर सरोजिनी नगर में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ विषय पर एक जागरूकता संगोष्ठी, सम्मान समारोह एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एससी/एसटी आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत ,विशिष्ट अतिथि के रूप में एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा, प्रभारी निरीक्षक बिजनौर कपिल गौतम, चौकी प्रभारी माती अभिराम शुक्ला, उप निरीक्षक शशि बाला सहित अनेक गणमान्य प्रबुद्ध अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के आयोजन में सहयोगकर्ता के रूप में आर.के. विश्वकर्मा (डायरेक्टर, एंटी करप्शन एंड क्राइम ब्यूरो ट्रस्ट), आशीष सिंह (अध्यक्ष, आदर्श प्रेस क्लब), अभिषेक सिंह चौहान (डायरेक्टर, आर्य लाइब्रेरी), तथा सेवक राम कनौजिया (डायरेक्टर, सर्वांगीण विकास) उपस्थित रहे। आयुष अस्पताल की ओर से डायरेक्टर डाक्टर संदीप शुक्ला, महिला स्वास्थ्य विशेषज्ञ डाक्टर अफसाना एवं उनकी टीम ने मेडिकल कैंप लगाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन एवं बच्चों द्वारा संस्कृत वंदना प्रस्तुत कर किया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक नृत्य व नाटक प्रस्तुत किया। संगोष्ठी में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा एवं संस्कारों के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। विद्यालय की ओर से उपस्थित महिलाओं एवं बच्चियों को सेनेटरी पैड वितरित किए गए तथा आयुष अस्पताल की टीम द्वारा महिला स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया और दवाइयां वितरण की।

मुख्य अतिथि बैजनाथ रावत ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों को अच्छे संस्कार घर से ही मिलते हैं, इसलिए माता-पिता को बेटियों के साथ-साथ बेटों को भी यह संस्कार देना होगा कि वे हर महिला का सम्मान करें और उनकी सुरक्षा का ध्यान रखें। उन्होंने सभी अभिभावकों से बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने का आ'ान किया। उन्होंने कहा बच्चों को हमें स्वतंत्रता और स्वच्छंदता का अंतर बचपन से ही सिखा देना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने कानून की जानकारी के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षित बेटी अपने अधिकारों को समझती है और समाज को अपराध-मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इकलौते बेटे ने घर में लगाई फांसी, परिवार पर छाया सन्नाटा, मचा कोहराम

--स्नेहा जायसवाल

दुद्धी (सोनभद्र)। विंढमगंज थाना क्षेत्र के जोरुखाड़ गांव में बुधवार सुबह एक 20 वर्षीय युवक ने घर की बडेर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इकलौते बेटे कमलेश कुमार भारती की असामयिक मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों के अनुसार, कमलेश भारती पुत्र राजाराम बीती रात मंगलवार को परिवार के साथ भोजन कर अपने कमरे में सोने चला गया था। बुधवार सुबह जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आया, तो परिजनों ने दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया। कोई उत्तर न मिलने पर खिड़की से झांका तो कमलेश फंदे से लटका हुआ दिखा। चीख-पुकार मचाने पर ग्रामीण भी जुट गए। दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे परिजनों ने शव उतारने की कोशिश की, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। घटना की सूचना मिलते ही विंढमगंज पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पंचनामे के बाद पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया। पुलिस घटना के कारणों की बारीकी से जांच कर रही है और मामले की तफ्तीश में जुट गई है। परिजनों ने बताया कि कमलेश छह बहनों में इकलौता अविवाहित भाई था। पिता राजाराम राजमिस्त्री का काम कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। एक छोटी बहन भी अविवाहित है। इकलौते भाई की मौत से पूरा परिवार टूट चुका है। पड़ोसियों ने बताया कि घर में कोहराम मच गया है और परिजन सदमे में हैं।

बैंक के निजी सुरक्षा गार्ड ने मामूली कहा सुनी पर चलाई गोली, युवक घायल

अनपरा (सोनभद्र)। जनपद के अनपरा थाना क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब एचडीएफसी बैंक में तैनात एक निजी सुरक्षा गार्ड ने मामूली कहासुनी के बाद गोली चला दी। गोली लगने से एक युवक बसंत लाल पुत्र रामकिशन अनपरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

बताया जा रहा है कि बैंक परिसर के बाहर जाते समय किसी बात को लेकर सुरक्षा गार्ड और युवक के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर गार्ड ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से फायर कर दिया। गोली युवक को हाथ में लग गई जिससे वह घायल होकर मौके पर गिर पड़ा।

घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को तुरंत उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।सूचना मिलते ही अनपरा पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने सुरक्षा गार्ड को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है तथा घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों पिपरी हर्ष पाण्डेय ने बताया नियमानुसार अनुसार मामले में तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद बैंक परिसर और आसपास के क्षेत्र में कुछ देर तक तनाव का माहौल बना रहा।

रेलवे ट्रैक पर युवक का क्षत-विक्षत शव मिलने से सनसनी

शक्तिनगर (सोनभद्र)। शक्तिनगर थाना क्षेत्र, खड़िया क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब रेलवे ट्रैक पर एक युवक का क्षत-विक्षत शव मिला। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और थोड़ी ही देर में पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुट गई। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान रविश गुप्ता उम्र लगभग 26 वर्ष पुत्र असरफी लाल गुप्ता, निवासी परसवार राजा, थाना शक्तिनगर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक का शव खड़िया बजाज एजेंसी के पीछे रेलवे लाइन पर पड़ा मिला, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शाम 6:25 बजे लगभग रेलवे ट्रैक पर युवक का शव दिखाई देने के बाद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जिससे आशंका जताई जा रही है कि ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हुई होगी। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने शव को एनटीपीसी संजीवनी हॉस्पिटल शक्ति नगर शवगृह मे भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

शादी का झांसा देकर युवक नगदी जेवरात सहित युवती को लेकर हुआ फरार

खखरेरू /फतेहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती को गांव का ही रहने वाला युवक शादी का झांसा देकर जेवरात नगदी सहित युवती को लेकर फरार हो गया

युवती के पिता ने पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि 10 मार्च की रात लगभग 1:00 बजे गांव का ही रहने वाला योगेश पुत्र माता बदल उर्फ गपोचे उम्र लगभग 30 वर्ष उसकी 18 वर्षीय पुत्री को शादी का झांसा देकर भाग ले गया

युवती के पिता ने आगे बताया कि उनकी लड़की घर में रखें 45000 रुपए नगद और सोने चांदी के जेवर अपने साथ लेकर गई है जिसमें सोने के कान के बाली एक सोने का लॉकेट और चांदी की दो पायल शामिल है

पीड़ित ने युवक के विरोध तहरीर देकर अपनी पुत्री की सकुशल ब्रांड की की मांग की है।

इस संबंध में थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर जांच कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

स्कूल की बस का चालक करता रहा मोबाइल पर बात और बस टकराई विद्युत पोल से

सरस्वती शिशु मंदिर की बस में बैठे बच्चों में मची चीख-पुकार, एक छात्र हुआ घायल

मथुरा ब्यूरो। (मुकेश कुशवाह) महानगर में स्थित रेलवे कॉलोनी के पास सरस्वती शिशु मंदिर की बस, स्कूल की छुट्टी के बाद बच्चों को रेलवे कॉलोनी क्षेत्र में छोड़ने जा रही थी। उसी दौरान रास्ते में बस चालक मोबाइल पर बात करने में ऐसा मशगूल हुआ कि अनियंत्रित होकर बस विद्युत पोल से टकराई गई। हादसे में गनीमत यह रही कि बस की टक्कर से विद्युत पोल नहीं टूटा, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। विद्युत पोल में बिजली का करंट चल रहा था, अगर पोल बस के ऊपर गिर जाता तो बड़ी घटना हो सकती थी। हादसे के बाद बस में बैठे बच्चों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में एक छात्र को मामूली चोट आयीं और अन्य सभी छात्र-छात्राएं सुरक्षित बच गया। हादसे के बाद दूसरे वाहन की व्यवस्था करके बच्चों को उनके घर भेजा गया। घटना की जानकारी मिलते ही ब्रज यातायात एवं पर्यावरण जन जागरूकता समिति के संस्थापक अध्यक्ष विनोद दीक्षित ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उच्चधिकारियों से वार्ता की। उन्होंने कहा कि मथुरा में लगातार स्कूल बसों से जुड़े हादसे सामने आ रहे हैं, ऐसे में जिला प्रशासन को ठोस कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो पूरे मामले की रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने मांग करते हुए कहा कि घटना के लिए जिम्मेदार बस चालक का ड्राइविंग लाइसेंस तुरंत निरस्त किया जाए। इसी के साथ समिति ने यह भी मांग उठाई कि डीएम को सड़क सुरक्षा की समीक्षा बैठक बुलाकर स्कूल बसों की सुरक्षा-व्यवस्था और नियमों का पालन करने को सख्त निर्देश देने चाहिए, जिससे कि भविष्य में कभी इस प्रकार के हादसों की पुनरावृत्ति न हो सके।

एलपीजी गैस : अवैध संग्रहण और कालाबाजारी पर अब सीधे जेल, देहरादून में प्रशासन ने जारी किए नंबर, यहां करें कंप्लेन

(जीएनएस)।

एलपीजी गैस की किल्लत और डिमांड को देखते हुए देहरादून में प्रशासन अलर्ट हो गया है। जिला प्रशासन ने एलपीजी गैस अवैध संग्रहण और कालाबाजारी को लेकर सख्ती दिखाई है। जिला प्रशासन ने इस तरह के मामलों में आरोपियों को सीधे जेल भेजने के निर्देश दिए हैं।

साथ ही आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 व बीएनएस के प्राविधानों के अन्तर्गत कार्रवाई करने के डीएम ने निर्देश दिए है। एजेसियों पर गैस वितरण का अवैध संग्रहण, व्ययपर्वतन बिचौलियों की संलिप्तता, अवैध रिफिलिंग पाए जाने पर गैस एजेंसियों को सील करने के निर्देश दिए हैं।

देहरादून के जिलाधिकारी सविन बसंल ने एलपीजी गैस की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने के संबंध में आयल कंपनियों के पदाधिकारियों एवं गैस एजेंसी के संचालकों के साथ बैठक की। बैठक में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला पूर्ति अधिकारी प्रतिदिन आपदा कन्ट्रोलरूम में आयल कम्पनियों के प्रतिनिधियों सहित प्रतिदिन 1 घंटा बैठकर वितरण/स्टॉक बैकलॉग की सूचना तथा एलपीजी गैस सम्बन्धी प्राप्त शिकायतों का निस्तारण करेंगे।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप एलपीजी गैस वितरण में प्रथम प्राथमिकता घरेलू उपभोक्ताओं को दी जाए। घरेलू गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी ओटीपी आधारित प्रणाली के माध्यम से सुनिश्चित की जाए, आनलाईन साफ्टवेयर पर बुकिंग में व्यवधान आने पर गैस एजेंसी अपना सम्पर्क नम्बर तथा एजेंसी में मैन्यूवल बुकिंग करना सुनिश्चित करेंगे। उपभोक्ताओं को बल्क एसएमएस के माध्यम से तथा एजेसियों पर सूचना हेतु जागरूकता फ्लैक्सी चस्पा करने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन स्थिति पर निरंतर निगरानी बनाए हुए है। 72 के 72 गैस एजेंसियों के गोदाम अब जिला प्रशासन के रडार पर हैं। जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारियों संग अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत अवस्थित गैस एजेंसियों का रेंडमली स्टॉक, वितरण, बैकलॉग की जांच करेंगे।

राष्ट्रपति दौरे से पहले तैयारियों में जुटा नगर निगम प्रशासन : नगर आयुक्त ने गोवर्धन मार्ग का किया निरीक्षण

सफाई, पेंचवर्क और अतिक्रमण हटाने के दिए निर्देश

मथुरा ब्यूरो। (मुकेश कुशवाह) राष्ट्रपति के मथुरा दौरे से पहले नगर प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने गोवर्धन चौराहा से सतोहा तक गोवर्धन मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर आयुक्त ने रोड़ और आस-पास के क्षेत्रों में व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए अधीनस्थ अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने नगर स्वास्थ्य अधिकारी को रोड़ पर बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने डिवाइडरों के दोनों ओर नियमित सफाई, कूड़ा उठान और पूरे मार्ग को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। इसी के साथ मुख्य अभियंता (निर्माण) को निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर सड़कों पर पेंचवर्क की जरूरत है, वहां शीघ्र मरम्मत कार्य करके सड़कों को समतल बनाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मार्गों के सौंदर्यीकरण के लिए सड़कों के किनारों पर गमले लगाने और वॉल पेंटिंग कराने तथा नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराने के भी निर्देश दिए हैं। वहीं नगर आयुक्त ने सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी को मार्गों और गलियों में अव्यवस्थित रूप से लगे होर्डिंग्स हटाने तथा सड़क और फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आवारा गौ-वंश की समस्या के समाधान के लिए भी आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में नगर आयुक्त जग प्रवेश ने कहा कि राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे से पहले मार्ग और क्षेत्र की सभी व्यवस्थाएं स्वच्छ, सुव्यवस्थित और सुचारू रूप से सुनिश्चित की जाएं, जिससे पूरे क्षेत्र का वातावरण सुंदर, सुरक्षित एवं आकर्षक दिखे। निरीक्षण के दौरान सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी, मुख्य अभियंता (निर्माण) संजय सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी रामगोपाल और सहायक अभियंता (निर्माण) शशांक समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मगोर्रा पुलिस ने दबोचा एक शातिर बदमाश : चोरी की बाइक और अवैध हथियार बरामद

मथुरा ब्यूरो। (मुकेश कुशवाह) थाना मगोर्रा क्षेत्र स्थित जाजनपट्टी रेलवे पुल के पास से पुलिस ने एक शातिर बदमाश को चोरी की बाइक और अवैध हथियार समेत दबोच लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी मगोर्रा हरीश चौधरी पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि जाजनपट्टी रेलवे पुल के पास एक बदमाश अवैध हथियार और चोरी की बाइक लेकर किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी हरीश चौधरी पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे शातिर बदमाश महावीर पुत्र स्व. देवी सिंह निवासी गांव कुदरवन थाना मगोर्रा को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिर के कब्जे से एक चोरी की बाइक, एक तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

नवसंवत्सर मेला 18 को, तैयारियां हुईं पूर्ण : बाबा सत्यनारायण मौर्य का 'एक शाम राष्ट्र के नाम' कार्यक्रम होगा मुख्य आकर्षण

नववर्ष मेला समिति की बैठक में सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर में मेला तैयारियों की समीक्षा करतीं हुईं समिति अध्यक्ष कमलेश अरोड़ा।

मथुरा ब्यूरो। (मुकेश कुशवाह) नववर्ष मेला समिति की सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर में आयोजित समीक्षा बैठक में नवसंवत्सर की पूर्व संध्या पर 18 मार्च को होने वाले विशाल नववर्ष मेला की तैयारियों को अंतिम रुप दिया गया। बैठक का की अध्यक्षता करते हुए समिति अध्यक्ष कमलेश अरोड़ा ने बताया कि भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा संवत 2083 की पूर्व संध्या पर 18 मार्च को सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज के मैदान में परम्परागत रूप से विभिन्न सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा। नववर्ष मेला के 25 वर्ष पूर्ण होने पर यह विशाल नववर्ष मेला रजत जयंती वर्ष के रूप में आयोजित होगा। बैठक में प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि नववर्ष समारोह सायं 6:30 बजे से सांस्कृतिक संध्या के साथ शुरू होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत मेला का मुख्य आकर्षण सायं 7:30 बजे से अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि, चित्रकार, गायक एवं राष्ट्रप्रेमी कलाकार बाबा सत्यनारायण मौर्य की बहुरंगी प्रस्तुति "एक शाम राष्ट्र के नाम" होगा। वहीं मीडिया प्रभारी मुकेश शर्मा ने बताया कि मेला स्थल पर विभिन्न प्रतियोगिताएं सायं 5 से शुरू होंगी। बैठक में समिति के राजीव कृष्ण अग्रवाल, डा. दीपा अग्रवाल, योगेश आवा, अनिरुद्ध अग्रवाल, अजय अग्रवाल, मीडिया प्रभारी मुकेश शर्मा, समीर बंसल, रामदास चतुर्वेदी, अनुराधा शर्मा, डा. सीमा मिश्रा, डा. रुचि अग्रवाल, अवधेश उपाध्याय, जमुनादेवी शर्मा, कान्हा यादव, हर्षित सिसौंदिया, राजीव पाठक, दीपेश श्रीवास्तव, जेपीएस सिसौंदिया, हर्षवरूप यादव, उमेश शर्मा, वृषभान गोस्वामी, अनामिका दीक्षित, डा. नीतू गोस्वामी और संगीता चौहान आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

'कानून व्यवस्था बिगाड़ी तो इलाज कर दूंगा,' ईरान का समर्थन करने वालों पर भड़के संभल सीओ

(जीएनएस)।

यूपी के संभल में जुमा अलविदा और ईद उल फितर के त्योहारों को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए कोतवाली परिसर में एक पीस कमेटी की मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें सीओ कुलदीप सिंह का सख्त अंदाज देखने को मिला। उन्होंने इजराइल-ईरान युद्ध को लेकर प्रदर्शन करने वालों को कड़े शब्दों में चेतावनी दी, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो बुधवार का बताया जा रहा है। मीटिंग के दौरान सीओ कुलदीप सिंह ने दो देशों के युद्ध के बीच यहां प्रदर्शन करने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि, 'बहुत सारे लोगों को खुजली इस बात की मची है कि झगड़ा तो ईरान-इजरायल के बीच में हो रहा है। लेकिन कुछ लोग बीच में टंगड़ी घुसाए पड़े हैं।

उन्होंने आगे कहा कि, अगर आप लोगों को इतनी ही दिक्कत है तो जहाज में बैठ जाओ और चले जाओ ईरान की तरफ से युद्ध लड़ने। बाद में लौटकर फिर आ जाना। दो देशों के बीच में झगड़ा हो रहा है और उस झगड़े को लेकर हमारे देश की कानून-व्यवस्था पर असर पड़ेगा तो हम उसका बढ़िया वाला इलाज करेंगे।'

दूसरे देशों के समर्थन में नारेबाजी पर सख्त पाबंदी

सीओ ने स्पष्ट किया कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय मुद्दे की आड़ में देश की फिजा खराब करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, 'कहीं किसी भी प्रकार की अलविदा या जुमे की नमाज में कोई भी किसी भी प्रकार के देश के विरोध में या अन्य किसी प्रकार से कोई पट्टी या कोई नारा नहीं लगना चाहिए। हम हिंदुस्तानी हैं, हम भारतीय हैं। हम यहां सुकून से रह रहे हैं। दो देशों के बीच में जो लड़ाई हो रही है वह उनके अपने अंतरराष्ट्रीय मुद्दे हैं, वह वो जानेंगे। लेकिन कोई 10 आदमी आकर ईरान को लेकर छाती पीटने लगे तो वह ईरान चले जाएं। लेकिन यहां पर इस तरह की चीजें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।'

उन्होंने कहा कि 'कुछ लोग ऐसे हैं जिन्होंने माहौल खराब करने की कोशिश की है। हम ऐसा कोई काम न करें जिससे स्थानीय स्तर पर चीजें खराब हो जाएं, क्योंकि ये बर्दाश नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान पर गलत रील बनाने का काम न करें जिससे फिजा खराब हो।

सड़क पर नमाज की अनुमति नहीं

सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार सोनी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया गया। सीओ ने साफ निर्देश दिए कि त्योहार के दौरान किसी भी स्थिति में मस्जिद के बाहर या सड़क पर नमाज अदा करने की अनुमति नहीं होगी। नमाज केवल मस्जिद के अंदर ही पढ़ी जाएगी।

संसद में बोलने की स्वतंत्रता नियमों के अधीन है; सदन के किसी भी माननीय सदस्य को इन नियमों से परे जाकर बोलने का विशेषाधिकार नहीं है: लोक सभा अध्यक्ष

(जीएनएस)।

लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज इस बात पर जोर दिया कि संसद में बोलने की आजादी है, परंतु यह संविधान और संसद की प्रक्रिया का विनियमन करने वाले नियमों और स्थायी आदेशों के अधीन है। उन्होंने कहा कि नियमों के तहत विस्तृत दिशा-निर्देश हैं कि सदन में बोलते समय सदस्यों को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

संविधान के अनुच्छेद 105 (संसद में वाक्-स्वातंत्र्य) के संदर्भ में, अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि संविधान में भी इस स्वतंत्रता को संसदीय नियमों के ढांचे के भीतर रखा गया है।

अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा समाप्त होने के एक दिन बाद सदन को संबोधित करते हुए लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि पिछले दो दिनों में सदन में बारह घंटे से अधिक चर्चा हुई, जिसके दौरान विभिन्न दलों के माननीय सदस्यों ने अपने विचार, तर्क और चिंताएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा, "मैंने सदन के प्रत्येक माननीय सदस्य की बात को ध्यान के साथ सुना। मैं इस सदन के सभी माननीय सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ – चाहे उन्होंने समर्थन में अपने विचार रखे हों या आलोचना के रूप में अपने सुझाव दिए हों। लोकतंत्र की यही विशेषता है कि यहाँ हर आवाज सुनी जाती है और हर दृष्टिकोण को महत्व दिया जाता है।'

चर्चा के दौरान बोलने के अवसरों को लेकर उठाई गई चिंताओं का उत्तर देते हुए अध्यक्ष महोदय ने स्पष्ट किया कि सभी सदस्यों को सदन के नियमों में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, "कुछ माननीय सदस्यों का यह मानना है कि प्रतिपक्ष के नेता एक विशेषाधिकार के रूप में कभी भी उठकर अपनी पसंद के किसी भी विषय पर बोल सकते हैं। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूँ कि सदन नियमों से चलता है। ये नियम सभी सदस्यों पर समान रूप से लागू होते हैं।" उन्होंने जोर देकर कहा, "इस सदन के किसी भी माननीय सदस्य को नियमों से परे जाकर बोलने का विशेषाधिकार नहीं है।"

अध्यक्ष महोदय ने उन आरोपों का भी जवाब दिया कि पीठासीन अधिकारी द्वारा विपक्षी सदस्यों के माइक्रोफोन बंद कर दिए गए थे। उन्होंने कहा , "मैं एक बार फिर स्पष्ट करना चाहता हूँ कि आसन के पास माइक ऑन या ऑफ करने का कोई बटन नहीं है।

कस्टमर डे 2026: एयरटेल ने ग्राहकों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपनी संस्कृति को और मजबूत किया

– ग्राहकों को मिलने वाले अनुभव को और बेहतर बनाने और बड़े स्तर पर उनकी समस्याओं का समाधान करने पर नए सिरे से ध्यान

लखनऊ, 12 मार्च 2026: एयरटेल ने आज 'कस्टमर डे 2026' मनाया। यह संगठन के भीतर चलाया गया एक व्यापक अभियान है, जिसका उद्देश्य ग्राहकों की समस्याओं को समझना और उनके अनुभव को लगातार बेहतर बनाना है। इस पहल के तहत एयरटेल के लगभग बीस हजार कर्मचारियों ने अपने कार्यालयों से बाहर निकलकर सीधे फील्ड में काम किया। इनमें नेतृत्व करने वाली टीम के सदस्यों से लेकर विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ शामिल थे। इन कर्मचारियों ने फ्रंटलाइन टीमों के साथ मिलकर काम किया, फील्ड इंजीनियरों के साथ जाकर उनके काम को करीब से देखा, घरों और दुकानों का दौरा किया और रिटेल व सर्विस सेंटरों पर ग्राहकों से बातचीत की। इसका उद्देश्य ग्राहकों की सबसे महत्वपूर्ण समस्याओं को बिना किसी फिल्टर के समझना है। एयरटेल में कस्टमर डे संगठन के लिए एक ऐसा महत्वपूर्ण अवसर भी है जब वह ठहरकर आत्ममंथन करता है और खुद से एक सीधा लेकिन अहम सवाल पूछता है कि हम अपने ग्राहकों के लिए और क्या बेहतर कर सकते हैं।

इस पहल पर टिप्पणी करते हुए एयरटेल इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ शाश्वत शर्मा ने कहा, 'कस्टमर डे हमें हमारी जिम्मेदारी की याद दिलाता है कि हम ग्राहकों की बात पूरे ध्यान से सुनें, खुद को लगातार बेहतर बनाने के लिए चुनौती दें और तत्परता के साथ कार्रवाई करें। इससे ग्राहकों को होने वाली समस्याओं को हल करने, सेवाओं को सरल बनाने और हर दिन लाखों ग्राहकों को दी जाने वाली सेवा के स्तर को लगातार बेहतर बनाने की हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत होती है।'

लखनऊ में ग्रीन कारीडोर मार्ग के उद्घाटन को लेकर डायवर्जन, कल दोपहर 1 बजे के बाद इन रास्तों पर नहीं जा सकेंगे वाहन

(जीएनएस)।

लखनऊ में ग्रीन कॉरिडोर मार्ग का उद्घाटन शुक्रवार दोपहर 2 बजे होगा। डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित ने बताया कि दोपहर 1 बजे से यातायात डायवर्जन लागू किया .

लखनऊ। ग्रीन कॉरिडोर मार्ग का शुक्रवार को दोपहर दो बजे उद्घाटन किया जाएगा। डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित ने बताया कि दोपहर एक बजे से व्यवस्था लागू की जाएगी। इस दौरान किसी प्रकार की समस्या आने पर ट्रैफिक कंट्रोल नंबर 9454405155 पर संपर्क कर सकते हैं।

यह रहेगी व्यवस्था

आइटी चौराहा से हनुमान सेतु मंदिर/नदवा बंधा चौराहा की तरफ सामान्य यातायात नहीं जा सकेगा, बल्कि यह यातायात डालीगंज इक्का तांगा स्टैंड चौराहा, डालीगंज पुल चौराहा होकर जा सकेंगे।

डालीगंज इक्का तांगा स्टैंड चौराहा से हनुमान सेतु मंदिर/नदवा बंधा चौराहा की तरफ नहीं जा सकेंगे, बल्कि डालीगंज पुल चौराहा होकर जा सकेंगे। -सुशीला देवी स्मृतिका तिराहा से नदवा बंधा चौराहा की तरफ नहीं जा सकेंगे, बल्कि पेपरमिल तिराहा, निशातगंज अथवा संकल्पवाटिका तिराहा, सिकंदरबाग चौराहा होकर जा सकेंगे।

हनुमान सेतु मंदिर/नदवा बंधा चौराहा से सुशीला देवी स्मृतिका तिराहा की तरफ नहीं जा सकेंगे, बल्कि सुभाष चौराहा होकर जा सकेंगे।

फन मॉल की तरफ से आरआर बंधा चौराहा की तरफ नहीं जा सकेंगे।

आरआर बंधा चौराहा से

समतामूलक चौराहा की तरफ नहीं जा सकेंगे, बल्कि फन माल होते हुए जा सकेंगे।

समतामूलक चौराहा से आरआर बंधा चौराहा की तरफ नहीं जा सकेंगे, बल्कि आरबीआइ कटिंग, डिगडिगा चौराहा, पॉलीटेक्निक चौराहा अथवा 1090 चौराहा, गोल्फ क्लब चौराहा होकर जा सकेंगे।

डालीगंज पुल चौराहा/ग्रीन कारीडोर ढाल (डालीगंज साइड) से ग्रीन कारीडोर मार्ग पर नहीं जा सकेंगे, बल्कि डालीगंज इक्का तांगा स्टैंड चौराहा या सीडीआरआइ तिराहा होते हुए जा सकेंगे।

फिलीपींस के दावाओ मेडिकल स्कूल फाउंडेशन से 1,015 भारतीय छात्रों ने चिकित्सा स्नातक की डिग्री हासिल की

12 मार्च, 2026: दावाओ सिटी में आयोजित 'दावाओ मेडिकल स्कूल फाउंडेशन इंक' (DMSF) के 25वें अंतरराष्ट्रीय दीक्षांत समारोह में भारतीय मूल के 1,015 छात्रों को डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (MD) की डिग्री प्रदान की गई, जो बीते कुछ सालों में किसी एक विदेशी चिकित्सा संस्थान से स्नातक होने वाले भारतीय मेडिकल छात्रों का सबसे बड़ा समूह है।

उत्तरऋ से मिलने वाली डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (MD) की डिग्री भारत में टइयर की डिग्री के बराबर मानी जाती है, जो हाल के समय में विदेश के किसी एक मेडिकल कॉलेज से ग्रेजुएट होने वाले भारतीय छात्रों के सबसे बड़े समूहों में से एक है।

पिछले कुछ सालों में, दावाओ मेडिकल स्कूल फाउंडेशन उन भारतीय छात्रों की पहली पसंद बना हुआ है, जो विदेश जाकर चिकित्सा के क्षेत्र में पढ़ाई करना चाहते हैं। इस संस्थान से अब तक लगभग 12,000 भारतीय छात्रों ने ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की है, जिनमें बहुत से डॉक्टर आज भारत और दुनिया के अलग-अलग कोनों में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

इस साल स्नातक की डिग्री पाने वाले छात्र भारत के अलग-अलग हिस्सों और समुदायों से ताल्लुक रखते हैं। इससे जाहिर है कि देश भर से डॉक्टर बनने की चाह रखने वाले छात्र

उत्तरऋ में अपनी चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के लिए आते हैं क्योंकि यह संस्थान ऐसे छात्रों की पहली पसंद बनता जा रहा है।

इस मौके पर ट्रांसवर्ल्ड एजुकेयर के सीईओ एवं संस्थापक अध्यक्ष, डॉ. डेविड पिल्लई ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा: 'यह दीक्षांत समारोह छात्रों और उनके परिवारों के साथ-साथ उन सभी लोगों और संस्थाओं के लिए भी गौरव का लम्हा है, जो विदेश में चिकित्सा की पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों की मदद करते हैं। फिलीपींस अपनी बेहतरीन गुणवत्ता वाली शिक्षा, अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त चिकित्सा प्रशिक्षण के कारण लंबे समय से चिकित्सा के क्षेत्र में पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों के लिए एक भरोसेमंद गंतव्य रहा है।

इस साल दावाओ मेडिकल स्कूल फाउंडेशन से 1,000 से ज्यादा भारतीय छात्रों ने ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त की, जिससे जाहिर है कि भारतीय छात्र अब विश्व स्तर की मेडिकल पढ़ाई के लिए के लिए बहुत उत्सुक हैं। साथ ही, इससे भारत और पूरी दुनिया की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का उनका संकल्प भी जाहिर होता है।'

DMSF ने फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन (FMGE) में अपने स्नातक छात्रों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत शिक्षा जगत में अपनी पहचान बनाई है। यह विदेशों से चिकित्सा के क्षेत्र में स्नातक करने वाले उन छात्रों के लिए आवश्यक योग्यता परीक्षा है, जो भारत में डॉक्टर के तौर पर अपनी सेवा देना चाहते हैं। पिछले दस सालों में, ऋऋ परीक्षा में शीर्ष रैंक पाने वालों में दावाओ मेडिकल स्कूल फाउंडेशन के छात्र लगातार अपनी जगह बना रहे हैं, जिससे यह बात जाहिर है कि इस संस्थान में शिक्षा के साथ-साथ चिकित्सा के प्रायोगिक प्रशिक्षण का स्तर बेहतरीन है।

फिलीपींस विदेश में मेडिकल की पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा जगह बन गया है ।

फिलीपींस की मेडिकल यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रों की लगातार बढ़ती मौजूदगी, भारत और फिलीपींस के बीच मजबूत होते शैक्षणिक संबंधों, विशेष रूप से चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में मजबूत संबंधों को दर्शाती है।

दावाओ मेडिकल स्कूल फाउंडेशन के डकऊ डीन ऑफ कॉलेज, इरविन रोमेल एन. होंटिवेरोस ने कहा: "दावाओ मेडिकल स्कूल फाउंडेशन पिछले कई दशकों से भारतीय छात्रों का स्वागत किया है और उन्हें एक काबिल डॉक्टर बनाने के सफर में हर कदम पर उनका साथ दे रहा है। हमारे स्नातक छात्रों की कामयाबी और ऋऋ परीक्षा में उनका बेहतरीन प्रदर्शन इस बात का सबूत है कि, हमारे संस्थान में छात्रों के लिए बेहतरीन शिक्षा के साथ-साथ अव्वल दर्जे के प्रायोगिक प्रशिक्षण की व्यवस्था है।"

इस दीक्षांत समारोह में शिक्षा के क्षेत्र के दिग्गज, प्राध्यापक, छात्र और उनके परिवार वाले शामिल हुए।

लखनऊ में कई पेट्रोल पंपों पर ठप रही सप्लाई, अब पेमेंट भी बस इस तरह से हो रहा एक्सेप्ट

(जीएनएस)।

लखनऊ। एलपीजी की तरह डीजल और पेट्रोल का तो फिलहाल संकट नहीं दिख रहा है लेकिन इसके बावजूद शहर में कई पेट्रोल पंपों पर कुछ घंटों तक आपूर्ति बाधित रही। हजरतगंज के अलावा ठाकुरगंज और दूसरे क्षेत्रों में कई पंपों पर पेट्रोल और डीजल नहीं होने की सूचना लगी देखी गई।

बताया गया कि तेल कंपनियों ने क्रेडिट पर आपूर्ति पर पूरी तरह रोक लगा दी है। इसके अलावा डिपो से भी टैंकर निकलने में समय लग रहा है इस कारण से कई पंप ड्राई हो गए।

हालांकि इंडियन आयल का कहना है कि सभी डिपो में पर्याप्त स्टाक कई दिनों के लिए है इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है।

लखनऊ में एलपीजी के संकट के बीच डीजल और पेट्रोल के भी स्टाक की लगातार समीक्षा की जा रही है। डीएम विशाख जी खुद लगातार तेल कंपनियों के साथ बैठकें कर रहे हैं। तेल कंपनियों ने प्रशासन को आश्वस्त किया है कि कहीं पर भी स्टाक की कमी नहीं है।

लखनऊ पेट्रोल डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह का कहना है कि डीजल और पेट्रोल की कमी तो नहीं है लेकिन डिपो से टैंकर मिलने में देरी हो रही है। इस वजह से जो पंप डिपो से दूर हैं वहां पर समस्या हो सकती है। इसके अलावा तेल कंपनियों ने क्रेडिट देना भी बंद कर दिया है जो भी एक कारण हो सकता है। अब कंपनियां पूरा पैसा लेने के बाद ही डिमांड आगे बढ़ाएंगी।

लखनऊ: सुशांत गोल्फ सिटी मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, अंसल प्रॉपर्टीज की 313 करोड़ की संपत्तियां अटैच

(जीएनएस)।

लखनऊ: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और उसके प्रमोटरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 313.12 करोड़ रुपये की संपत्तियां अस्थायी रूप से अटैच कर ली हैं। यह कार्रवाई लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी प्रोजेक्ट से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं के मामले में की गई है।

ईडी की जांच में सामने आया है कि इस प्रोजेक्ट के नाम पर खरीदारों से कुल 1,234.92 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि ली गई थी, लेकिन इसमें से करीब 313.12 करोड़ रुपये प्रोजेक्ट पर खर्च नहीं किए गए। एजेंसी के अनुसार यह रकम अन्य गैर-प्रोजेक्ट गतिविधियों में डायवर्ट कर दी गई, जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हुआ और हजारों होमबायर्स को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

आगरा की जमीनें की गईं अटैच

ईडी के मुताबिक, अटैच की गई संपत्तियों में आगरा में स्थित 9.08 हेक्टेयर आवासीय भूमि शामिल है। ये जमीनें कंपनी से जुड़े अन्य उपक्रमों के नाम पर खरीदी गई थीं। जांच में पाया गया कि कथित अपराध से अर्जित मूल धन प्रत्यक्ष रूप से उपलब्ध नहीं था, इसलिए एजेंसी ने उसके बराबर मूल्य की वैकल्पिक संपत्तियों को अटैच कर कार्रवाई की।

प्रोजेक्ट पर खर्च हुए सिर्फ 921 करोड़

जांच के दौरान पता चला कि खरीदारों से जुटाई गई 1,234.92 करोड़ रुपये की राशि में से केवल 921.80 करोड़ रुपये ही लखनऊ स्थित प्रोजेक्ट के निर्माण और परिसंपत्तियों पर खर्च किए गए। शेष धनराशि को समूह की अन्य कंपनियों और असंबंधित गतिविधियों में ट्रांसफर कर दिया गया।

ईडी का कहना है कि इस वित्तीय गड़बड़ी के कारण परियोजना की प्रगति प्रभावित हुई और फ्लैट खरीदारों को लंबे समय तक कब्जा नहीं मिल सका।

278 एफआईआर के बाद शुरू हुई जांच

यह पूरा मामला गृह खरीदारों की शिकायतों के आधार पर दर्ज 278 एफआईआर से शुरू हुआ था। इन एफआईआर में धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, साजिश और फर्जीवाड़े जैसी धाराएं शामिल हैं।

खरीदारों का आरोप है कि फ्लैट बुकिंग के बाद भी वर्षों तक उन्हें न तो मकान मिला और न ही जमा किए गए पैसे का स्पष्ट हिसाब दिया गया। इन्हीं मामलों के आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की और अब संपत्तियों को अटैच कर बड़ी कार्रवाई की है।

मरकज-ए-तालीम-ओ-तर्बियत ट्रस्ट के तत्वावधान में लखनऊ में मजालिस-ए-अजा का आयोजन

लखनऊ: मरकज-ए-तालीम-ओ-तर्बियत ट्रस्ट की ओर से शहर भर में जारी 'महदवी समाज' शैक्षिक एवं प्रशिक्षण कक्षाओं के सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए शहादत-ए-अमीरुल मोमिनीन हजरत अली इब्न अबी तालिब अलैहिस्सलाम के अवसर पर दो महत्वपूर्ण स्थानों पर 'मजालिस-ए-अजा' का आयोजन किया गया। इन मजलिसों में ट्रस्ट के छात्रों के साथ-साथ बड़ी संख्या में मोमिनीन व मोमिनात ने शिरकत कर मौला-ए-काएनात की बारगाह में अपनी अकीदत का नजराना पेश किया।

पहली मजलिस का आयोजन कर्बला दियानतुद्दौला में किया गया, जहाँ हुज्जतुल इस्लाम वल मुस्लिमीन मौलाना सैयद मोहम्मद मियां आब्दी साहब ने खिताब फरमाया। उन्होंने अहले बैत (अ.स.) की महानता और रजा-ए-इलाही (ईश्वर की इच्छा) पर रोशनी डालते हुए कहा कि "अहले बैत का घराना वह है जो अपनी मर्जी को खुदा की मर्जी में मिला देता है। उनकी 'हाँ' खुदा की 'हाँ' और उनकी

'ना' खुदा की 'ना' होती है, यानी वे अपनी जात (स्वयं) के लिए कुछ नहीं चाहते बल्कि हर हाल में अल्लाह की रजा पर राजी रहते हैं।"

दूसरी मजलिस छोटा इमामबाड़ा, हुसैनाबाद में आयोजित हुई, जिसे हुज्जतुल इस्लाम वल मुस्लिमीन मौलाना शेख अली इमाम साहब ने संबोधित किया। उन्होंने कुरान की आयत 'कुल कफा बिल्लाहे शहीदम बैनी व बैनकुम व मन इंदहू इल्मुल किताब' की व्याख्या करते हुए कहा कि "खुदा ने अपने हबीब (स.अ.व.व.) से फरमाया कि कह दीजिए कि मेरे और तुम्हारे दरमियान गवाही के लिए अल्लाह और वह हस्ती काफी है जिसके पास पूरी किताब का ज्ञान है। मुफस्सिरीन (व्याख्याकारों) के अनुसार, वह महान हस्ती जिसकी गवाही को अल्लाह ने अपनी गवाही के साथ ज़िक्र किया, वह जात-ए-ग्रामी अमीरुल मोमिनीन अली इब्न अबी तालिब अलैहिस्सलाम की है।"

मजलिसों के अंत में शोककुल लोगों (अजादारों) ने नौहाख्वानी और सीनाजनी करके इमाम-ए-वक़्त (अ.त.फ.श.) की बारगाह में पुरसा पेश किया। मरकज-ए-तालीम-ओ-तर्बियत ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए इस संकल्प को दोहराया कि शैक्षिक जागरूकता के साथ-साथ धार्मिक और आध्यात्मिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार का सिलसिला जारी रहेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी का बिगुल: दो सत्रों में होगी परीक्षा, जानिए किस तारीख को होंगे पेपर

(जीएनएस)।

:उत्तर प्रदेश के लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली आरईटी परीक्षा की संभावित तिथि घोषित कर दी है. विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, आरईटी परीक्षा 30 और 31 मार्च को दो-दो सत्रों में आयोजित की जाएगी. इस परीक्षा के माध्यम से विभिन्न विषयों में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश दिया जाएगा.

जानें कितनी पाली में होगा पेपर

विश्वविद्यालय द्वारा जारी कार्यक्रम के मुताबिक 30 मार्च को परीक्षा सुबह और दोपहर की दो पालियों में

आयोजित की जाएगी.वहीं 31 मार्च को भी दो सत्रों में परीक्षा कराने की योजना बनाई गई है. परीक्षा में हिंदी, अंग्रेजी, गणित, उर्दू सहित कई विषयों के प्रश्नपत्र शामिल होंगे। अलग-अलग विषयों के लिए निर्धारित समय के अनुसार अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों पर उपस्थित होना होगा.

परीक्षा कार्यक्रम पर विशेष ध्यान

विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि इस बार परीक्षा कार्यक्रम तैयार करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि जिन अभ्यर्थियों ने एक से अधिक विषयों में आवेदन किया है, उनके पेपर आपस में टकराएं नहीं. इसके बावजूद यदि किसी अभ्यर्थी के विषयों की परीक्षा एक ही समय पर निर्धारित हो जाती है, तो उसे अपनी आपत्ति दर्ज कराने का अवसर दिया गया है.

ऐसे अभ्यर्थी 16 मार्च तक विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट या संबंधित विभाग के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं. शिकायतों की जांच के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन आवश्यक संशोधन करते हुए अंतिम परीक्षा कार्यक्रम जारी करेगा.

व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जा रही

विश्वविद्यालय के अधिकारियों के अनुसार आरईटी परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या काफी अधिक है, इसलिए

रैली निकाल बच्चों को दिया गया स्वच्छता का संदेश

एनएसएस शिविर में स्वच्छता पर परिचर्चा, पत्रकार रोहित विश्वकर्मा सम्मानित

--स्नेहा जायसवाल।

शक्तिनगर (सोनभद्र)। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर शक्तिनगर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम एवं तृतीय के तत्वाधान में सात दिवसीय विशेष शिविर(दिन रात) के दूसरे दिन दिनांक 12 मार्च 2026 को चिल्काडांड पंचायत भवन में "स्वच्छता जागरूकता" पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान के समक्ष चुनौतियों पर अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान स्वयंसेवकों ने लोकगीत के द्वारा स्थानीय स्तर पर समस्याओं के समाधान की ओर ग्रामीणों का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े रोहित विश्वकर्मा ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में स्वच्छता के प्रति लोगों में जागरूकता

का बहुत ही अभाव है क्योंकि वह अपने तंग जिंदगी में साफ सफाई के महत्व को समझ नहीं पाते हैं। कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ० विनोद कुमार पाण्डेय एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ० छोटेलाल प्रसाद के संयुक्त नेतृत्व में जागरूकता के लिए अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। शिविर के दूसरे सत्र में 100 स्वयंसेवकों द्वारा जागरूकता रैली निकालकर चिल्काडांड प्राथमिक विद्यालय एवं सनराइज पब्लिक स्कूल के छात्राओं को स्वच्छता का संदेश दिया गया। विद्यालय के छात्रों के साथ स्वयंसेवकों द्वारा संवाद स्थापित करने के क्रम में उन्हें भोजन से पहले हाथ धोने, पॉलिथीन के प्रयोग से बचने, फास्ट फूड एवं जंक फूड से अधिक परहेज करने तथा नियमित व्यायाम एवं खेलकूद में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। यह रैली शिविर स्थल से प्रारंभ होकर चिल्काडांड बस्ती एवं निमियांटांड बस्ती होते हुए पुनः पंचायत भवन आकर समाप्त हुई । दोपहर भोजन के पश्चात स्वयंसेवकों द्वारा विविध मनोहारी संस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम में सहभाग करते रहे अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम अधिकारी डॉ० विनोद कुमार पाण्डेय ने किया तथा उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ० छोटेलाल प्रसाद द्वारा किया गया। इस शिविर में इकाई प्रथम एवं तृतीय के 50-50 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं । इस दौरान चांदनी श्रीवास्तव, मधु केसरी, अर्चना जायसवाल, विद्या विश्वकर्मा ,साक्षी दुबे ,खुशी वर्मा, मानसी जायसवाल, सबा बानो, विशेष, शिवांशी, पंकज, हिमांशु, आशुतोष का सहयोग अनुकरणीय रहा।

सागर में दिल दहला देने वाली घटना, मां ने 4 बेटियों को कुएं में फेंका, फिर खुद फांसी लगाई

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के सागर जिले से एक बेहद दर्दनाक और रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। केसली थाना क्षेत्र के खमरिया गांव (नन्ही देवरी खमरिया) में एक मां ने अपनी ही चार मासूम बेटियों को कुएं में फेंककर उनकी हत्या कर दी और इसके बाद खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

इस खौफनाक घटना में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई।

घटना सामने आते ही पूरे गांव और आसपास के इलाके में मातम और सनसनी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार यह घटना गुरुवार 12 मार्च 2026 की देर रात या शुक्रवार सुबह के बीच हुई। मृतक महिला की पहचान सविता लोधी (करीब 28-30 वर्ष) के रूप में हुई है, जो खमरिया गांव की रहने वाली थी। बताया जा रहा है कि सविता ने रात के समय अपनी चारों बेटियों-अंशिका (7 वर्ष), रक्षा (5 वर्ष), दीक्षा (3 वर्ष) और सबसे छोटी मनीषा (करीब 5 माह)-को घर के पास खेत में बने कुएं में फेंक दिया। इसके बाद वह घर लौटी और पास ही लगे बेर के पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।